

11.3.19

11/2017 गोपी सिंह vs. विद्यापी देवी.

पत्रावली पत्रा इत्यादि तक्रिमों का सम्बन्ध उक्त
तत्कालीन पीठाधीन अधिकारी का (स्थानान्तरण
हो चुका है। अब प्रकरण को उक्त चरण
का कोर्ट अौचित्य नहीं है। प्राप्य सुनिकी
सारणी के संस्कारन किया जाता है।
पत्रावली फैसल शुमार होकर जबर से कम है।


जिला कलेक्टर सीकर

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official